

# पतरस क दूसरी पत्र

1 इसू मसीह क सेवक अउर प्रेरित समौन पतरस कईंती स उ लोगन क नाउँ जेनका परमेस्सर स हमरे जइसा बिस्सास प्राप्त अहइ। काहेकि हमार परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह निआव क कर्ता अहइ।

2 तू परमेस्सर अउर हमरे पभू ईसू क जान चुका अहा इ खातिर तू सबन्क परमेस्सर क कृपा अउर अनुग्रह बहुतइ जियादा मिली होई।

## परमेस्सर हमका सब कछू दिहे बाटइ

3 अपने जिन्नगी क खातिर अउर परमेस्सर क सेवा खातिर जउन कछू हमका चाही तउन सब हमका अपने दिव्य सक्ती अउर अच्छाई दुआरा उ हमका दिहे अहइ। काहेकि हम पचे ओका जानित ह जउन अपने धार्मिकता अउर महिमा क कारण स हमका बोलाएस हवै। 4 एनहिन क दुआरा उ हमका अइसे महान अउर अमूल्य बरदान दिहे अहइ, जउन देइ क खातिर उ प्रतिग्या करे रहा। जेहसे तू पचे परमेस्सर क दिव्य प्रकृति क साझीदार अउर भ्रस्टाचार स बच सका, जउन लोगन क बुरी इच्छन क कारण स इ संसार में बना अहइ।

5 एही खातिर अपने बिस्सास में नीक गुणन क नीक गुणन में गियान क, 6 गियान में आत्म-संयम क, आत्म-संयम में धीरज क, धीरज में परमेस्सर क भक्ती क, 7 ईसू क भक्ती में भाइयन अउर बहिनियन क, भाइयन अउर बहिनियन में पियरेम क उदारता क संग बढ़ावत चला। 8 काहेकि अगर इ गुण तू पचन में अहई अउर ओनकर विकास होत बाटइ तउन उ पचे तोह सबन क कर्मसील अउर सफल बनाइ देइही अउर ओनसे तू पचे क हमरे पभू ईसू मसीह क पूरा गियान मिल जाई। 9 मुला जेहमाँ, ई गुण नाही बाटेन, ओहमाँ दूर-दिस्टी नाही बा, उ आँधर अहइ। अउर उ ई भूल गवा अहइ कि ओकरे पाछे क पापेन क धोइ दीन्ह गवा अहइ।

10 एही बरे भाइयो तथा बहिनियो, ई दिखावइ खातिर खूब तइयार रहा कि वास्तव में तू पचन्क परमेस्सर दुआरा बोलावा गवा अहइ अउर चुना गवा अहइ काहेकि अगर तू पचे इ बातन क करत अहा तउ न कबहूँ ठोकर खाब्या अउर न गिरब्या। 11 अउर ई तरह स हमरे पभू अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह क अनन्त राज्ज में तू पचन्क महान प्रवेस दइके परमेस्सर आपन उदारता देखाई। उ राज्ज हमेसा चलत रही।

12 इहइ कारण स मई तू पचन क, यद्यपि तू पचे ई जानत ही अहा कि जउन सत्य तोहका मिला अहइ, ओह पइ डटे रहा, मई ई बातन क सदा याद करावत रहब।

13 जब तक मई ई काया में रहबइ तू सबन्क याद देवाइके सचेत करत इ उचित जानित हउँ। 14 काहेकि मई इ जानित हउँ कि मोका अपने इ काया क जल्दी ही छौड़इ क होई जइसेन हमरे पभू ईसू मसीह मोका देखाएस ह। 15 एही बरे मई आपन पूरा प्रयत्न करबइ कि मोरे मरि जाइके बाद भी तू पचे मोरे इ बातन क याद रख सका।

## हम मसीह क महिमा क दर्सन किहत

16 जब हम आपन पभू ईसू मसीह क सामरथ क बारे में बताए अही अउर ओकरे अवाई क बारे में भी कहे अही। तउ हम चालाकी स गढ़ी भइन किस्सन क सहारा नाही लीन्ह काहेकि हम तउ ओहकी महानता क खुदइ गवाहदार अही। 17 जब परमपिता परमेस्सर स उ सम्मान अउर महिमा पाइ लिहस तउ दिव्य उपस्थिति सही विसिस्ट वाणी परगट भइ रही, “इ मोर पियारा बेटवा अहइ, मई एहसे प्रसन्न हउँ।” 18 हम आकास स आई भइ इ वाणी सुने रहेन। तबहिं तउ हम पवितर पर्वत पइ ओकरे साथेन रहेन।

19 हमहूँ क भी नबियन क बचन क पुस्टी पइ अउर जियादा आस्था होइ गइ। इ बात प धियान दइके त पचे इ अच्छा करत अहा काहेकि इ तउ एक प्रकास बाटइ जउन अँधियारे ठाँव में तबइ तक चमकत रहत ह जब तलक पौ फाटत ह अउर तोह सबन क हिरदइ में भोर क तारा उदय होत ह। 20 मुला सबसे बड़ी बात इ अहइ कि तू पचन्क जान लेइ चाही कि पवितर सास्तरन क कउनउ भविस्सबाणी नबियन क अपने बिचारन क परिणाम न अहइ। 21 काहेकि कउनउ मनई जउन कहइ चाहत ह ओकरे अनुसार भविस्सबाणी नाही होत बल्कि पवितर आतिमा क प्रेरणा स मनई परमेस्सर क बाणी बोलत ह।

## झूठे उपदेसक लोग

2 जइसा भी रहा होइ उ संतान क बीच में साइत झूठे नबियन देखाइ देइ लगत रहेन बिल्कुल उहइ तरह झूठे उपदेसकन तू सबन्क बीच में भी परगट होइही। उ घातक विचारन क सुरूआत करिही अउर उ सुआमी क नकार देइही जउन ओनका आजादी दियाए रहा। इ प्रकार अइसा कइके उ जल्दी बिनास क न्यौतिहई। 2 बहोत लोगन ओनकइ अनैतिक भोग-विलास क तरीका क पाछे चलिही ओनहिन क कारण स सत्य क मार्ग स बदनाम होई। 3 लोभ क कारण स उ बनावटी बातन स तोहसे पैसा कमइहई। ओनके दंड परमेस्सर क दुआर बहोत पहिलेन स निर्धारित कीन्ह जाइ चुका ह। ओनकर विनास तइयार अहइ अउर ओनकर प्रतीच्छा करत बाटइ।

4काहेकि परमेस्सर उ पाप करइवाले दूतन तक क नाही छोड़ेस अउर ओनका पाताल लोक अंधेरे कोठरियन में डाइ दिहिस कि उ निआव क दिन तक उहइ पइ पड़ा रहई, 5उ उ पुरान संसार क भी नाही छोड़ेस मुला नूह क उ समइ रखवारी किहेस जब अधर्मियन क संसार प जलप्रलय भेजी गइ रही। नूह ओन आठ मनइयन में रहा जउन जलप्रलय क समइ बचा रहन। उ जउन उचित अहइ, ओकर उपदेस देत रहा। 6सदोम अउर अमोरा ह जइसेन नगरन क बिनास क दण्ड दइके ओनकइ राखी बनाए दीन्ह गवा रहा ताकि अधर्मियन क साथ जउन बाते घटिहई, ओनके खातिर इ एक चेताउनी होइ। 7परमात्मा लूत क बचाइ लिहेस जउन एक अच्छा मनई रहा। उदूदण्ड मनइयन क अनैतिक आचरण स दुःखी रहत रहा। 8उ धर्मी पुरुस ओन लोगन क बीच में रहत भवा रोजइ रोज जउन देखत अउर सुनत रहा ओसे ओनके नेक आतिमा तड़पत रही। 9एहि प्रकार पभू जानत ह कि निआव करत समइ धर्मात्मा मनइयन क कइसे बचावा जात ह अउर दुस्ट लोगन क कउने तरह दण्ड देइ क खातिर कइसे रखा जात ह। 10खासकर ओन लोगन क बरे जउन आपन पाप स भरी भइ प्रकृति स बुरे कामन क करत जिनत ही। ओनकइ पापमय मन पभू क सत्ता क अवहेलना करत ह। ई पचे उदूदण्ड अउर स्वेच्छा चारी अहई इ महिमावान सरगदूतन क अपमानौ करइ स नाही डेरात अहई। 11जब कि इ सबइ सरगदूतन जउन सक्ती अउर समरथ में एनसे बड़े अहई, पभू क सामने ओन पइ कउनो निन्दापूर्ण दोख नाही लगावत 12मुला इ पचे विचारहीन पसुवन क बराबर अहई जउन आपन सहजवृत्ती क अनुसार काम करत ही। जेनकइ जनम एही बरे होत ह कि उ पकड़े जाई अउर मार डाए जाई उ पचे ओन विसयन क विरोध में बोलत ही जेनके बारे में इ सबइ अबोध अहई। जइसे पसु मार डावा जात अहई, वइसेन एनहू क नस्ट कर दीन्ह जाइ। 13एनका बुराई क बदला बुराइन स दीन्ह जाई। दिन क प्रकास में भोग-विलास करब एनका भावत ह। काहेकि उ पचे अपने छलपूर्ण करजन क फल भोगत ही। इ लजापूर्ण धब्बे अहई। जब इ पचे तू पचन क साथ उत्सव में सामिल होत ही तउ 14इ कउनो अइसेन स्त्री क ताक में रहत ही जेहिके साथ व्यभिचार कीन्ह जाइ सकइ। इ तरह स एनकइ आँखी पाप करइ स बाज नाही अउतिन। इ पचे ढुलमुल लोगन क पाप करइ क खातिर फुसलाय लेत ही। इ लोगन क मनवा पूरी तरफ स लालचा में अभ्यस्थ अहई। इ पचे अभिसाप क लरिका अही। 15सीधा-सादा मारग छोड़िके भटक गए बाटेन। बओर क लरिका बिलाम क मार्ग प इ पचे चलत अहई बिलाम ओकर रूचि गलत रस्ता क फले में अहइ। 16मुला ओकरे दोखन क खातिर एक गदही जउन बोल नाही पावत रही, मनई क बानी में बोलिके ओका डॉटिस फटकारिस अउर उ नबियन क उन्मादी कामन क रोकिंस।

17इ झूठे उपदेसक सूखे जल क सोता अहई अउर अइसे जल रहित बादल अहई जेनका तूफान उड़ाइ लइ जात ह। इ पचन क खातिर गझिन अन्धेरी जगह इ काम क बरे निहचित कीन्ह गइ अहइ। 18इ पचे झूठे उपदेसकन अरथहीन डीगन स उ लोगन को प्रलोगभित कइ देत ही, जे बस अभी ही

गलत जीवन बितावइवालन लोगन स अलग आवत ही। 19इ झूठे उपदेसकन उनका छुटकारा क बचन देत ही, काहेकि कउनो व्यक्ति जउन ओका जीत लेत ह, उ ओनहिन क दास होइ जात ह। 20एहि खातिर अगर इ हमरे पभू अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह क जान लेई अउर संसार क खोट स बच निकरइ क पाछे अगर ओहमाँ फिन फँस जात ही तउ ओनकइ दसा पहिले स भी खराब होइ जात ह। 21एहसे तउ नीक भवा होत कि इ उचित मार्ग क जानि न पउतेन बजाए एकरे कि उ पचे इ पवितर आग्या स मुँह फेर लेतेन। 22उ पचेन क साथे तउ वइसेन घटना घटी जइसेन मसला अहइ, “कुकुर अपने उल्टी क पास ही लोटत ह।”\* अउर “एक नहाई भइ सुअरी कीचड़ में लौटइ खातिर फिन लउट जात ह।”

### ईसू फिन आई

3 पिआरे बन्धुअन, अब ई दूसर पत्र अहइ जउन मई तू पचन क लिखित हउँ। इ दुइनउँ पत्रन में लिखिके मई तू सबन क सच्चे सोच क जगावई क जतन कीन्ह ह। 2जेहिसे तू उ पवितर नबियन दुआरा पहिले कहे गए बचनन क याद करा अउर हमरे पभू अउर उद्धारकर्ता क आदेस क जउन तू सबन क प्रेरितन दुआरा तू पचन क दीन्ह गएन ह, धियान राखा। 3सबसे पहिले तू पचन क इ जान लेइ क चाही कि आखिर दिनन में स्वेच्छाचारी जउन बुरी इच्छन क अनुसरण करत ही अउर उ पचे तोहरे लगे हँसी उड़ावत भए अइही। 4अउर तू सबन स कइही, “का भवा ओकरे फिन आवइ क प्रतिग्या का? काहेकि हमरे पूर्वजन तउ चल बसेन। मुला जब स सृस्टि बनी ह, तइसेन हर बार चलत आवत अहई।”

5मुला जब उ पचे इ आरोप करत ही तउ उ इ भूल जात ही कि परमेस्सर क वचनन क दुआरा आकास जुगन स विद्यमान अहइ अउर धरती जल प बनी बाटइ अउर जल प स्थिर बा। 6अउर इ जल क कारण स उ जुग क संसार जल प्रलय स नस्ट होइ गवा। 7मुला इ आसमान अउर पृथिवी जउन अबइ, उहइ आदेस स नस्ट होइ क खातिर सुरच्छित अहई। एनका उ दिना खातिर रखा जात ह जब अधर्मियन क निआव होई अउर उ पचे नस्ट कर दीन्ह जइही। 8मुला पिआरे बन्धुओ, एक बात क जिन भुला, पभू क बरे एक हजार साले एक दिन क समान होत ह अउर एक दिन एक हजार बरस क बराबर होत ह। 9पभू आपन प्रतिग्या पूरी करइ में देर नाही लगावत। जइसेन कछू मनई सोचत ही। बल्कि उ हमरे प्रति धीरज धरत ह काहेकि उ कउनो मनई क नस्ट नाही करइ चाहत ह, बल्कि उ तउ चाहत ह कि सभी मनई मनफिराव क तरफ बढई। 10मुला पभू क दिन आई। एक दिना पभू चुपेचाप चोर सही अहइ। उ दिन एक भयंकर गर्जना क साथे आकास विलीन होइ जाई अउर आकास क नखत भसम होइके नस्ट होइ जइही अउर इ धरती पे रहइवालेन क कसम उजागर होइ जइही। 11काहेकि जब इ सब चीजन इ तरह स नस्ट होइ जाइही तउ तू सोचा कि तू लोगन क कउनउ तरह क जीवन जियइ क चाही। तोहे

सबन्क पवितर जीवन जियइ क चाही, पवितर जीवन जउन परमेस्सर क अर्पित अहइ अउर सब तरह क उत्तम करम करइ क चाही। 12अउर तोहे सबन्क परमेस्सर क दिन क बाट जोहइ क चाही, अउर ओके जल्दी आउब क बरे काम करा। उ दिन अउतइमान आकास लपटन में जल क नस्ट होइ जाई आकास क नखत ओकरे ताप सेही पिघल उठिही। 13मुला हम पचे परमेस्सर क वचन क अनुसार एक नवा आकास अउर नवी धरती की बाट जोह रहा अहइ जहाँ धार्मिकता रहत ही बाटइ।

14इ पिआरे बन्धुओ, काहेकि तू एन बातन क बाट जोहत अहा, पूरा प्रयत्न करा कि पर्भू दुआरा सान्ति में निर्दोख अउर कलंक रहित पावा जा। 15हमारे पर्भू क धीरज क उद्धार समझा। जइसेन कि हमारे पिआरे बन्धु पौलस परमेस्सर दुआरा

दीन्ह गए विवेक क अनुसार पचन्क लिखेन ह। 16अपने दूसर सभी पत्रन क समान उ पत्र में भी इ सब बातन क बिसय में कहेउँ ह। ओन पत्रन में कउनो कउनो बात अइसी अहइ जेकर समझब मुस्किल बा। अगियानी अउर अस्थिर लोग ओकरे अरथ क अनर्थ करि डावत ही। दूसरे पवितर सास्तरन क साथ भी अइसेन ही करत ही। इ तरह उ अपनेन पैर में कुलहाड़ी मारत अहइँ। 17पिआरे बन्धुओ, काहेकि तू पचन क इ बातन पहिलेन स पता अहइँ। इ खातिर सावधान रहा अउर व्यवस्थाविहीन मनइयन क दुआरा भटकाए जाए पइ अपने क सुरच्छित स्थान स न डिगवा। 18बल्कि हमारे पर्भू तथा उद्धारकर्ता ईसू मसीह क अनुग्रह अउर ग्यान में तू पचे आगेन बढ़त जा। अबइ अउर अनंत समइ तक तू ओकर महिमा गावत रहा।